

शिरांतरालन वि. (तत्.) धमनियों के बीच का अंतर, शिराओं के बीच में शिरारहित स्थान, रक्तवाहिका, रिक्त स्थान।

शिरांतिका स्त्री. (तत्.) वनस्प. आवृतबीजी पौधों, वृक्षों की पत्तियों की बाहरी पर्त (बाह्यत्वचा) से नीचे फैली पतली कोशिकाएँ जो वाष्पीकरण के लिए जल छिद्रों द्रव छिद्रों के रूप में होती हैं।

शिरा स्त्री. (तत्.) चिकि. नसों, अशुद्ध रक्त को शरीर के विभिन्न अंगों से हृदय की ओर ले जाने वाली नलिकाएँ, नीले रंग की शिराएँ, इसके विपरीत धमनियाँ शुद्ध रक्त को हृदय से शरीर के विभिन्न भागों में ले जाती हैं।

शिराकर्तन पुं. (तत्.) चिकि. 1. रक्त जांच या उपचार के लिए शिरा को छेद कर या सुई से रक्त निकालने की क्रिया 2. शिरा शल्य क्रिया, शिराच्छेदन।

शिराजाल पुं. (तत्.) चिकि. 1. नसों का समूह, छोटी रक्त नाडियों का समूह 2. आँख का एक रोग।

शिरानाल पुं. (तत्.) जीव. शिरा नली, कोटर, कपाल की हड्डी से नथुनों की तरफ खुलने वाला खाली स्थान, नासिका विवर में स्थित मांसल हिस्सा।

शिरानिक्षेप पुं. (तत्.) भूगर्भ. 1. धातु रेखा, खनिज भंडार वाला क्षेत्र 2. शिला फलक, शिला का अंतिम छोर।

शिरापीड़िका स्त्री. (तत्.) 1. चक्षु रोग जिसमें पुतली के पास एक फुंसी निकल आती है 2. बहुमूत्र रोगियों को निकलने वाली एक प्रकार की घातक फुंसी, प्रमेह पीड़ा।

शिराफल पुं. (तत्.) नारियल।

शिरामल पुं. (तत्.) नाभि।

शिरायु पुं. (तत्.) ऋक्ष, रीछ, भालू।

शिराल वि. (तत्.) शिरा संबंधी, शिरायुक्त, अनेक शिराओं वाला।

शिरावरोध पुं. (तत्.) एक बीमारी जिसमें शरीर के अंदर किसी शिरा में रक्तकणों का थक्का बनकर

गांठ बन जाती है और उस हिस्से में रक्त संचार में बाधा आती है।

शिराविन्यास पुं. (तत्.) शिराओं की संरचना, शिराओं का क्रम वनस्प. पत्ते में शिराओं का क्रम।

शिराहर्ष पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का रोग जिसमें आँखें लाल हो जाती हैं 2. नसों में झनझनाहट।

शिरि पुं. (तत्.) 1. खड्ग, तलवार 2. तीर, बाण 3. पतिगा, टिड्डी, शलभ 4. हिंसक, जान से मार डालने वाला।

शिरियारी स्त्री. (देश.) एक प्रकार की जंगली औषधीय बूटी, सुसना।

शिरोगृह पुं. (तत्.) अट्टालिका का सबसे ऊपर वाला कमरा, चंद्रशाला।

शिरोग्रह पुं. (तत्.) समलबाई नामक एक रोग, सिरदर्द।

शिरोज पुं. (तत्.) सिर से उत्पन्न अर्थात् बाल, केश।

शिरोदाम पुं. (तत्.) पगड़ी, साफा, शिरोभूषा।

शिरोधरा स्त्री. (तत्.) सिर को धारण करने वाली अर्थात् ग्रीवा, गर्दन, शिरोधि।

शिरोधान पुं. (तत्.) तकिया, सिरहाना।

शिरोधाम पुं. (तत्.) चारपाई का सिरहाना, सिर रखने, टिकाने का स्थान।

शिरोधार्य वि. (तत्.) आदरपूर्वक सिर पर धारण किए जाने योग्य, सादर स्वीकार करने योग्य, अंगीकार किए जाने योग्य, अतिशय मान्य।

शिरोबिंदु पुं. (तत्.) दर्शक की दृष्टि से आकाश का उच्चतम बिंदु जो ठीक सिर के ऊपर स्थित हो।

शिरोभूषण पुं. (तत्.) 1. सिर में पहना जाने वाला आभूषण जैसे- शीशफूल, मांग टीका आदि 2. मुकुट, किरीट।

शिरोभूषा स्त्री. (तत्.) सिर पर पहनने का वस्त्र जैसे- पगड़ी, टोपी, साफा आदि।